Literacy for a Billion

Movie: Khushboo
Year: 1975

Song: O Manzi Re
Lyricist: Gulzar

ओ माँझी रे
ओ माँझी रे
अपना किनारा
नदिया की धारा है
ओ माँझी रे
अपना किनारा
नदिया की धारा है
ओ माँझी रे

साहिलों पे बहनेवाले
कभी सुना तो होगा कहीं
ओ ...
हो काग़ज़ों की कश्तियों का
कहीं किनारा होता नहीं

हो माँझी रे माँझी रे
कोई किनारा
जो किनारे से मिले वो
अपना किनारा है

ओ माँझी रे

अपना किनारा
नदिया की धारा है
ओ माँझी रे

पानियों में बह रहे हैं
कई किनारे टूटे हुए
ओ ...
हो रास्तों में मिल गए हैं
सभी सहारे छूटे हुए

हो माँझी रे माँझी रे
कोई सहारा
मँझधारे में मिले तो
अपना सहारा है

ओ माँझी रे
अपना किनारा
नदिया की धारा है
नदिया की धारा है
नदिया की धारा है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.